भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

07.02.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 920 का उत्तर

वंदे भारत ट्रेन

920. श्री जी. सेल्वम:
श्री वी. वैथिलिंगम:
श्री मनोज कोटक:
श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले:
श्रीमती मंजुलता मंडल:
डॉ. सुभाष रामराव भामरे:
श्री कुलदीप राय शर्मा:
डॉ. डी.एन.वी. सेंथिलकुमार एस.:
श्री सी.एन. अन्नादुरई:
डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास रेलवे द्वारा अब तक चलाई गई वंदे भारत ट्रेनों की संख्या से संबंधित कोई आंकड़े हैं और यदि हां, तो वंदे भारत ट्रेन राज्य-वार कितने मार्गों पर चल रही हैं और इससे औसतन कितनी आय अर्जित हुई है;

(ख) क्या सरकार का संपूर्ण देश में 400 वंदे-भारत ट्रेन चलाने और इन ट्रेनों के लिए नए ठहराव शुरू करने का विचार है और यदि हां, तो महाराष्ट्र, ओडिशा और तमिलनाडु सहित तत्संबंधी राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या मौजूदा रेल पटरियां वंदे भारत रेलगाड़ियों की अधिकतम गति के उपयोग के लिए उपयुक्त हैं;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो क्या सरकार द्वारा वंदे भारत ट्रेनों की अधिकतम गति का उपयोग करने के लिए कदम उठाए जाने की संभावना है;

(ड.) क्या उच्च किराए के कारण वंदे भारत ट्रेनों में पर्याप्त यात्री नहीं मिल रहे हैं और यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या सुधारात्मक उपाय किए जा रहे हैं; और

(च) यात्रियों की सुविधा के लिए उक्त ट्रेनों में अन्य कौन-कौन से परिवर्तन प्रस्तावित हैं?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

वंदे भारत ट्रेन के संबंध में दिनांक 07.02.2024 को लोक सभा में श्री जी. सेल्वम, श्री वी. वैथिलिंगम, श्री मनोज कोटक, श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले, श्रीमती मंजुलता मंडल, डॉ. सुभाष रामराव भामरे, श्री कुलदीप राय शर्मा, डॉ. डी.एन.वी. सेंथिलकुमार एस., श्री सी.एन. अन्नादुरई और डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे के अतारांकित प्रश्न संख्या 920 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (च): 31 जनवरी 2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में सर्वत्र 82 वंदे भारत रेलगाड़ी सेवाएं चल रही थीं, जो बड़ी लाइन विद्युतीकृत नेटवर्क वाले राज्यों को जोड़ती हैं। इसके अलावा, भारतीय रेल में वंदे भारत सहित मौजूदा रेलगाड़ी सेवाओं के ठहराव देना और नई रेलगाड़ी सेवाएं शुरू करना यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन सतत प्रक्रियाएं हैं। रेलगाड़ी-वार और राज्य-वार प्रोद्भूत राजस्व के आंकड़े नहीं रखे जाते हैं।

स्वर्णिम चतुर्भुज एवं विकर्ण मार्गों और अन्य 'बी' मार्गों को शामिल करने वाले 10981 मार्ग किलोमीटर पर रेलखंड गति को बढ़ाकर 130 किलोमीटर प्रति घंटे कर दिया गया है। इसके अलावा, मौजूदा नई दिल्ली - मुंबई (वडोदरा - अहमदाबाद सहित) और नई दिल्ली - हावड़ा (कानपुर - लखनऊ सहित) मार्गों पर रेलखंड गति को 160 किलोमीटर प्रति घंटे तक बढ़ाने के लिए कार्य शुरू किए गए हैं। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, वंदे भारत रेलगाड़ियों का कुल उपयोग 96.62% है।

इस समय भारतीय रेल नेटवर्क पर चल रही वंदे भारत रेलगाड़ियों के उन्नत संस्करण संवर्धित संरक्षा विशेषताओं से लैस हैं, जैसे तीव्रतर त्वरण, बेहतर सवारी सूचकांक और यात्री सुविधाएं, जैसे स्वचालित प्लग दरवाजे, पीछे झुकने वाली आरामदायक सीटें, एक्जीक्यूटिव क्लास में घूमने वाली सीटों के साथ आरामदायक सीटें, हर सीट के लिए मोबाइल चार्जिंग सॉकेट आदि और कवच प्रणाली से सुसज्जित हैं।

*****